Maternal Health Division
Ministry of Health and Family Welfare
Government of India

एक्लैम्पसिया

NATIONAL HEALTH MISSION

गर्भावस्था में दौरे; बीपी ≥ 140/90; पेशाब में प्रोटीन

तुरन्त प्रबंधन

1. महिला को शांत कमरे में ऐसे बेड पर जिसमें चारों तरफ से पैडड रेलिंग का प्रबंध हो, पर रखें
2. महिला को बाँयी तरफ घुमाकर रखें ताकि साँस की नली खुली रहें
3. माँ और गर्भ की जटिलताओं के प्रबंधन के लिए तैयारी सुनिश्चित करें

मास्क से 6–8 लीटर प्रति मिनट की दर से ऑक्सीज़न दें, रिंगर/नॉर्मल सेलाईन 60 मिलीलीटर प्रति घंटा की दर से आईवी शुरू करें, फोलिज़ कैथेटर लगायें

बीपी कंट्रोल करें (एंटीहाईपर्टेन्सिव)

- यदि नीचे का बीपी ≥ 100
- नियमित बीपी की जाँच
- मुँह से निफेडिपिन की गोली 10 मिलीग्राम तुरन्त दे ज़रूरत पड़ने पर 30 मिनट बाद दोहरायें (यदि माँ बेहोश है तो राईल्स ट्यूब से दें), या
- इन्ज़ेक्शन लेबिटेलॉल 20 मिलीग्राम आईवी बोलस, यदि बीपी नियंत्रण में नही तो 40 मिलीग्राम 10 मिनट के बाद दें, फिर 80 मिलीग्राम हर 10 मिनट में दें (ज्यादा से ज्यादा 220 मिलीग्राम), इन सबके साथ दिल की निगरानी करते रहें

दौरे रोकें

- मैग्नीशियम सल्फेट पहली पसंद है
- लोडिंग डोज़
  - 4 ग्राम का 50% घोल को 20% बनायें (8 मिलीलीटर दवा को 12 मिलीलीटर नॉर्मल सेलाईन में मिलायें) और धीरे–धीरे 5 मिनट में आईवी से दें
  - 5 ग्राम आईएम (50%) में 1 मिलीलीटर 2% जाईलोकेन को मिलाकर दोनों कुल्हों में दें (कुल 10 ग्राम)
  - यदि लोडिंग डोज देने के 30 मिनट में दौरे पड़ते है तो फिर से 2 ग्राम 20% (4 मिलीलीटर दवा को 6 मिलीलीटर नॉर्मल सेलाईन में मिलायें) और धीरे–धीरे 5 मिनट में आईवी दें
- मेन्टेनेन्स डोज़
  - 5 ग्राम आईएम (50%) में 1 मिलीलीटर 2% जाईलोकेन को मिलाकर हर 4 घंटे पर ऑल्टरनेट कुल्हे में दें
- निगरानी करें :
  - पेटेलर रिफ्लेक्स को देखें
  - साँस की गति ≥ 16 प्रति मिनट
  - पिछले 4 घंटो में पेशाब ≥ 30 मिलीलीटर प्रति घंटा
- दवा आखिरी दौरे/डिलीवरी, जो भी बाद में हो, के बाद 24 घंटे तक देते रहें
- यदि पेटेलर जर्क नहीं आ रहा है या पेशाब ≤ 30 मिलीलीटर प्रति घंटा है तो मैगसल्फ को रोक दें और हर घंटे निगरानी करें– अगर स्थिति सामान्य हो जाये तो मैन्टेनेन्स डोज़ फिर से शुरू करें
- यदि साँस की गति < 16 प्रति मिनट है तो मैगसल्फ को रोक दें और एन्टीडोट– कैल्शियम ग्लूकोनेट 1 ग्राम आईवी 10% का 10 मिलीलीटर घोल 10 मिनट में दें

डिलीवरी

- गर्भ की आयु जो भी हो, उसकी डिलीवरी करायें
- भर्ती से डिलीवरी में 12 घंटे से अधिक का समय न हो

सर्विक्स खुला हुआ हो

- एआरएम (पानी की थैली को फाड़ें) और ऑक्सीटोसिन से लेबर की शुरूआत करें
- दूसरी अवस्था को फॉरसेप/वेन्टूज़ से छोटा करें

सर्विक्स खुला न हो

- डिनोप्रोस्टोन जेल से सर्विक्स को खोलें/सर्विक्स में फोलीज़ कैथेटर डालें और 6 घंटे के बाद

सिज़ेरियन

- यदि दौरे नियंत्रण में नहीं/स्टेट्स एक्लैपटिकस
- इन्डक्शन फेल होने पर
- फीटल डिस्ट्रेस
- कोई अन्य प्रसूति संबंधित संकेत
- माँ की स्थित बिगड़ने पर

मेडिकल कॉलेज, डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल और एफआरयू में प्रयोग के लिए